भारत-जापान रक्षा संबंध

प्रलिम्सि के लयि:

2+2 मंत्रस्तिरीय बैठक, अभ्यास मलिन (MILAN), मालाबार अभ्यास।

मेन्स के लयि:

भारत-जापान संबंध।

चर्चा में क्यों?

हाल ही में **भारत और जापान** ने सुरक्षा एवं सहयोग के लयि टोक्यो में **2+2 मंत्रस्तिरीय बैठक** आयोजति की।

//

प्रमुख बदिु

- **रक्षा सहयोग बढ़ाना:** दोनों देश काउंटरसट्राइक/जवाबी कार्यवाही क्षमताओं सहति राष्ट्रीय रक्षा के लयि आवश्यक सभी वकिल्पों की जाँच कर रहे हैं और अपनी क्षमताओं को मज़बूत करने हेतु अपने **रक्षा बजट में पर्याप्त वृद्धि करेंगे।**
  - चूँकि ज़्यादातर पड़ोसी देशों को चीन से बढ़े हुए सुरक्षा खतरों से नपिटने की ज़रूरत है।
- **समुद्री सहयोग बढ़ाना:** समुद्री क्षेत्र में जागरूकता सहति समुद्री सहयोग बढ़ाने के तरीकों पर व्यापक चर्चा हुई जसिमें भारत की[क्षेत्र में सभी के लयि सुरक्षा और वकिास (Security and Growth for All in the Region-SAGAR)](#) का समावेशी दृष्टकिोण शामलि है।
- **वैश्वकि सहयोग**: दोनों देशों ने स्वीकार कयिा कि सुरक्षा चुनौतयिों से नपिटने के लयि पहले से कहीं अधकि वैश्वकि सहयोग की आवश्यकता है।
  - इसके अलावा इस बात पर दोनों पक्षों में सर्वसम्मति है कि राष्ट्रों की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता के**आधार पर स्वतंत्र, खुले,**

नयिम-आधारति एवं समावेशी हदि-प्रशांत के लयि मज़बूत भारत-जापान संबंध बहुत महत्त्वपूर्ण है।

टू-प्लस-टू वार्ता:

- 2+2 मंत्रस्तिरीय वार्ता दोनों देशों के बीच उच्चतम स्तरीय संस्थागत तंत्र (Highest-Level Institutional Mechanism) है।
- यह संवाद का एक प्रारूप है जहाँ रक्षा/वदिश मंत्री या सचवि दूसरे देश के अपने समकक्षों से मलिते हैं।
- भारत का चार प्रमुख रणनीतकि साझेदारों- अमेरकिा, ऑस्ट्रेलयिा, जापान और रूस के साथ 2+2 संवाद है।

जापान-भारत संबंध:

- **रक्षा अभ्यास:**
  - भारत और जापान के रक्षा बल द्वपिक्षीय अभ्यासों की शृंखला आयोजति करते हैं, जैसे कि जमिक्स (नौसेना), शनियू मैत्री (वायुसेना) और अभ्यास धर्म गार्जयिन आदि।
  - **बहुपक्षीय अभ्यास मलिन (MILAN)** में पहली बार जापान की भागीदारी और मार्च, 2022 में आपूर्ति एवं सेवा समझौते के पारस्परकि प्रावधान का संचालन रक्षा सहयोग की प्रगतिमें मील का पत्थर है।
  - दोनों देश संयुक्त राज्य अमेरकिा तथा ऑस्ट्रेलयिा के साथ मालाबार अभ्यास (नौसेना अभ्यास) में भी भाग लेते हैं।
- **बहुपक्षीय समूह:**
  - भारत और जापान दोनों ही क्वाड, जी20 और जी-4 के सदस्य हैं।
  - वे इंटरनेशनल थर्मोन्यूक्लयिर एक्सपेरमिंटल रएिक्टर **(ITER)** के भी सदस्य देश हैं।
- **स्वास्थ्य सेवा:**
  - भारत के 'आयुष्मान भारत कार्यक्रम' और जापान के 'AHWIN' कार्यक्रम के लक्ष्यों एवं उद्देश्यों के बीच समानता एवं ताल-मेल को देखते हुए दोनों पक्षों ने 'आयुष्मान भारत' के लयि AHWIN के आख्यान के नरि्माण हेतु परयिोजनाओं की पहचान करने के लयि एक-दूसरे के साथ परामर्श कयिा।
- **नविेश और ODA:**
  - पछिले कुछ दशकों से भारत जापान की आधकिारकि वकिास सहायता (Official Development Assistance- ODA) ऋण का सबसे बड़ा प्राप्तकर्ता रहा है।
    - दलि्ली मेट्रो ODA के उपयोग के माध्यम से जापानी सहयोग के सबसे सफल उदाहरणों में से एक है।
  - भारत की वेस्टर्न डेडकिेटेड फ्रेट कॉरडिोर (DFC) परयिोजना को **'आर्थकि भागीदारी के लयि वशिेष शर्त' (Special Terms for Economic Partnership- STEP)** के तहत जापान इंटरनेशनल कॉर्पोरेशन एजेंसी द्वारा प्रदत्त सॉफ्ट लोन द्वारा वति्तपोषति कयिा गया है।
  - इसके अलावा जापान और भारत ने जापान की शकिानसेन प्रणाली (Shinkansen System) को भारत में लाते हुए एक हाई-स्पीड रेलवे के नरि्माण के लयि प्रतबिद्धता जताई है।
  - भारत जापान परमाणु समझौता 2016 भारत को दक्षणि भारत में छह परमाणु रएिक्टर बनाने में मदद करेगा, जसिसे वर्ष 2032 तक देश की परमाणु ऊर्जा क्षमता दस गुना तक बढ़ जाएगी।
- **आर्थकि संबंध:**
  - वति्त वर्ष 2021-22 के दौरान भारत के साथ जापान का द्वपिक्षीय व्यापार कुल 20.57 बलियिन अमेरकिी डॉलर का रहा।
    - भारत को जापान का नरि्यात भारत के कुल आयात का 2.35% था और जापान को भारत का नरि्यात भारत के कुल नरि्यात का 1.46% था। यह रेखांकति करता है कएिक बड़ी संभावना बनी हुई है।
  - भारत जापान के लयि 18वाँ सबसे बड़ा व्यापारकि भागीदार था और जापान वर्ष 2020 में भारत के लयि 12वाँ सबसे बड़ा व्यापारकि भागीदार था।
- **14वें भारत-जापान वार्षकि शखिर सम्मेलन, 2022 के दौरान घटनाक्रम:**
  - **भारत के उत्तर-पूर्वी क्षेत्र के लयि सतत् वकिास पहल:**
    - इसे भारत के पूर्वोत्तर राज्यों में बुनयिादी ढाँचे के वकिास पर नज़र रखने हेतु लॉन्च कयिा गया है, इसके अलावा इसमें चल रही परयिोजनाओं और कनेक्टविटिी, स्वास्थ्य देखभाल, नई एवं नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में संभावति भवषि्य के सहयोग के साथ-साथ बाँस मूल्य शृंखला को मज़बूत करने के लयि भी एक पहल शामलि है।
  - **भारत-जापान डजिटिल साझेदारी:**
    - दोनों देशों द्वारा साइबर सुरक्षा पर इंटरनेट ऑफ थगि्स (IoT), आर्टफिशियिल इंटेलजिेंस (AI) और अन्य उभरती प्रौद्योगकियिों के क्षेत्र में संयुक्त परयिोजनाओं को बढ़ावा देते हुए डजिटिल अर्थव्यवस्था को बढ़ाने के उद्देश्य से "भारत-जापान डजिटिल साझेदारी" पर चर्चा की गई।
    - **जापानी ICT क्षेत्र में योगदान** करने के लयि जापान अधकि कुशल भारतीय IT पेशेवरों को आकर्षति करने की आशा कर रहा है।
  - **स्वच्छ ऊर्जा साझेदारी:**
    - इसे **इलेक्ट्रकि वाहन, बैटरी सहति स्टोरेज ससि्टम, इलेक्ट्रकि वाहन चार्जगि इंफ्रास्ट्रक्चर, सौर ऊर्जा हाइड्रोजन, अमोनयिा** आदकि वकिास जैसे क्षेत्रों में सहयोग के लयि लॉन्च कयिा गया था।
    - इसका उद्देश्य भारत में **वनिरि्माण को प्रोत्साहति** करना, इन क्षेत्रों में लचीला और भरोसेमंद आपूर्ति शृंखलाओं के नरि्माण के

साथ-साथ **अनुसंधान एवं वकिास** में सहयोग को बढ़ावा देना है।

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्षों के प्रश्न:

प्रलिम्सि:

प्रश्न. राष्ट्रों का एक वर्तमान समूह जसिे G-8 के नाम से जाना जाता है, पहले G-7 के रूप में शुरू हुआ। नम्निलखिति में से कौन-सा देश G-7 में शामलि नहीं था? **(2009)**

(a) कनाडा
(b) इटली
(c) जापान
(d) रूस

उत्तर: D

व्याख्या:

- G-8, एक अंतर-सरकारी राजनीतकि मंच है, इसका गठन वर्ष 1997 में रूस के साथ मलिकर कयिा गया था।
- इस मंच की शुरुआत वर्ष 1975 में फ्राँस द्वारा आयोजति शखिर सम्मेलन से हुई, जसिमें छह सरकारों - फ्राँस, जर्मनी, इटली, जापान, यूनाइटेड कगिडम और संयुक्त राज्य अमेरकिा के प्रतनिधियिों को एक साथ लाया गया, इस प्रकार इसे 'ग्रुप ऑफ सक्सि' या G -6 का नाम दयिा गया। वर्ष 1976 में कनाडा को शामलि करने के साथ शखिर सम्मेलन को 'ग्रुप ऑफ सेवन' या G-7 के रूप में जाना जाने लगा। रूस को वर्ष 1997 से राजनीतकि मंच में जोड़ा गया, जसिके बाद इसे G-8 के नाम से जाना जाने लगा।
- वर्ष 2014 से G-8 को फरि से G-7 के रूप में पुन: स्वरूपति कयिा गया था। वर्ष 2014 में, रूस को G-8 से क्रीमयिा के वलिय के बाद नलिंबति कर दयिा गया तथा इसका नाम पुनः G-7 कर दयिा गया था। वर्ष 2017 में, रूस ने G-8 से अपनी स्थायी वापसी की घोषणा की **अतः वकिल्प (d) सही है।**

स्रोत: इंडयिन एक्सप्रेस

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/japan-india-to-boost-defence-ties